वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 273 गुरुवार 26 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अधिशेष जल के लिए बनेगा रिजरवॉयर: रावत

नर्मदा नहर परियोजना के तहत अतिरिक्त जल की उपलब्धता के लिए प्रयास किये जा रहे

जयपुर. शाबाश इंडिया

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा नर्मदा नहर परियोजना के तहत अतिरिक्त जल की उपलब्धता के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नहर में मानसून अवधि में अधिशेष जल के संचयन एवं भंडारण क्षमता बढ़ाने की संभावनाओं के अध्ययन एवं रिजरवॉयर विकसित करने के लिए डीपीआर तैयार की जाएगी। इसके लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 2 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया गया है। जल संसाधन मंत्री रावत प्रश्नकाल के दौरान सदस्य जीवाराम चौधरी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के शुभ पगफेरे के कारण प्रदेश में लगातार दो वर्षों से अच्छी बारिश हुई है। उन्होंने कहा कि नर्मदा नहर परियोजना के अंतर्गत नहर के टेल एंड पर भी जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 1.96 करोड़ रुपये से डीपीआर बनाई जा रही है। इसी कड़ी में 26 दिसम्बर 2025 को कार्यादेश भी जारी किया जा चुका है। इससे पहले विधायक चौधरी के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में जल संसाधन मंत्री ने बताया कि जल संसाधन विभाग अंतर्गत सहायक अभियन्ता व कनिष्ठ अभियंता, कनिष्ठ सहायक के रिक्त पदों को भरने हेतु अर्थना क्रमशः राजस्थान लोक सेवा आयोग व अधीनस्थ सेवा भर्ती बोर्ड को भिजवाई गई है। नर्मदा नहर परियोजना में नहरों के सुचारू संचालन हेतु रिक्त पदों को न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर महत्वपूर्ण स्थलों/पदों पर लगाये जाने की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाएगी। उन्होंने बताया कि नर्मदा नहर परियोजना से सिंचाई हेतु आंवटित पानी के उपयोग के लिए सिंचित क्षेत्र का निर्धारण किया जा चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नेहड के अतिरिक्त क्षेत्र के लिये अधिशेष जल उपलब्ध नहीं होने से इसे नर्मदा नहर परियोजना के कमाण्ड में सम्मिलित किया जाना विचाराधीन नहीं है।

आनासागर झील में डिसिल्टिंग से बढ़ेगी जल भराव क्षमता

नगरीय विकास राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार आनासागर झील के चारों तरफ मिट्टी और मलबे को हटाया जा रहा है। इस सम्बंध में नगर निगम, अजमेर की ओर से कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। शून्य काल के दौरान नगरीय विकास राज्य मंत्री ने विधायक चंद्रभान सिंह चौहान के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राज्य आर्द्र भूमि प्राधिकरण ने आनासागर झील में डिसिल्टिंग कार्य करने की अनुमति दे दी है। झील के पानी को बिना खाली किए अंडर वाटर डिसिल्टिंग कराई जाएगी। झील के डूब क्षेत्र से भी मिट्टी निकाली जाएगी। खर्रा ने बताया कि अजमेर विकास प्राधिकरण और नगर निगम, अजमेर को मार्च, 2026 तक कार्ययोजना तैयार कर स्वीकृतियां जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सदन में आश्वस्त किया कि अप्रैल, 2026 से डिसिल्टिंग का कार्य शुरू किया जाएगा।

गुणावगुण के आधार पर नवीन महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय : बैरवा

उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.प्रेमचंद बैरवा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि विधानसभा क्षेत्र ओसियां में वर्तमान में 04 राजकीय महाविद्यालय संचालित हैं। उन्होंने कहा कि यहां की नवगठित पंचायत समिति हतुंडी के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायतों में छात्राओं की संख्या का आकलन एवं आवश्यक परीक्षण कर राजकीय कन्या महाविद्यालय खोले जाने के विषय में निर्णय किया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक भैरा राम चौधरी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र ओसियां में संचालित शहीद गोरख राम वीर चक्र राजकीय पीजी महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता एवं गुणावगुण के आधार पर यूजी एवं पीजी कक्षाओं में अतिरिक्त विषय खोलने के संबंध में निर्णय किया जाएगा। इसी प्रकार राजकीय कन्या महाविद्यालय तिंवरी-मथानिया को स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर पर क्रमोन्नत किये जाने के संबंध में भी बजट उपलब्धता एवं गुणावगुण के आधार पर निर्णय किया जाएगा। इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में उच्च शिक्षा मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र ओसियां में संचालित 04 राजकीय महाविद्यालयों का विवरण उन्होंने सदन के पटल पर रखा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधानसभा क्षेत्र ओसियां की नवसृजित पंचायत समिति मुख्यालय हतुंडी में राजकीय कन्या महाविद्यालय खोले जाने एवं राजकीय कन्या महाविद्यालय तिंवरी-मथानिया को स्नातक से स्नातकोत्तर स्तर पर क्रमोन्नत किये जाने का वर्तमान में कोई प्रस्ताव विभाग में विचाराधीन नहीं है।

नगरीय निकायों को बढ़ी हुई जनसंख्या के आधार पर मिलेगा अनुदान : खर्रा

स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश के जिन नगरीय निकायों की सीमा और जनसंख्या में वृद्धी हुई है, उन्हें राज्य सरकार द्वारा बढ़ी हुई जनसंख्या के आधार पर ही अनुदान दिया जाएगा। स्वायत्त शासन राज्य मंत्री खर्रा प्रश्नकाल के दौरान सदस्य कुलदीप द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नगरपालिकाओं की श्रेणीयों के क्रमोन्नयन तथा नगर परिषद में क्रमोन्नत करने के लिए अलग-अलग प्रावधान हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा को बी श्रेणी में क्रमोन्नत करने के लिए परीक्षण करवाया जाएगा। साथ ही, मापदंडों के अनुकूल होने पर क्रमोन्नयन पर विचार किया जाएगा। इससे पहले विधायक कुलदीप के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में स्वायत्त शासन राज्य मंत्री ने बताया कि नगर पालिका पावटा-प्रागपुरा को नगर परिषद में क्रमोन्नत करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम योजना के तहत स्टेडियम निर्माण : कर्नल राठौड़

युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि इंटीग्रेटेड स्टेडियम नीति-2015 तथा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम योजना के तहत स्टेडियम निर्माण के लिए निर्धारित नियमों के तहत प्रस्ताव प्रस्तुत किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, छबड़ा तथा छीपाबड़ौद में पहले से स्टेडियम स्थापित हैं। वर्तमान में नए स्टेडियम निर्माण के संबंध में कोई स्वीकृति जारी नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका छबड़ा द्वारा किसी भी योजना के तहत स्टेडियम निर्माण के लिए खेल विभाग को कोई प्रस्ताव नहीं भेजा गया है। युवा मामले एवं खेल मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक श्री प्रताप सिंह सिंघवी द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने जानकारी दी कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत छबड़ा स्टेडियम के लिए 6 कार्यों का अनुमोदन किया गया है। इनमें से कन्वेंशन सेंटर का कार्य निरस्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि इन कार्यों के लिए कार्यकारी एजेंसी खेल विभाग नहीं होकर ग्रामीण विकास विभाग है। इससे पहले सदस्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में युवा मामले एवं खेल मंत्री ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, छबड़ा तथा छीपाबड़ौद में युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा स्टेडियमों का निर्माण कार्य कार्यकारी ऐजेन्सी आरएसआरडीसी के माध्यम से करवाये गये हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015-16 में रा.उ.मा.वि. छबड़ा में चारदीवारी, मैदानों का समतलीकरण एवं अन्य कार्य के लिए 51.21 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। इसी प्रकार रा.उ.मा.वि. छीपाबड़ौद में भी फुटबाल, चारदीवारी एवं अन्य कार्य के लिए 51.21 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। विभाग द्वारा दोनों स्टेडियम के लिए स्वीकृत राशि व्यय कर यह कार्य पूर्ण कर दिए गए है।

रंगों से संवरी जीवन संध्या

87 वर्ष की उम्र में ''जीजी'' की कला ने बिखेरी राजस्थानी संस्कृति की चमक

उदयपुर. शाबाश इंडिया

उम्र के जिस पड़ाव को अक्सर विश्राम और एकांत का समय माना जाता है, उसी उम्र में उदयपुर की 87 वर्षीय सविता द्विवेदी अपनी कूची और रंगों से एक नई इबारत लिख रही हैं। कला जगत में स्नेहपूर्वक ''जीजी'' के नाम से विख्यात सविता जी की सृजनशीलता आज युवाओं और कला प्रेमियों के लिए प्रेरणा का पुंज बन गई है। जीवन के उत्तरार्ध में शुरू हुई उनकी यह कलात्मक यात्रा आज स्मृतियों, संवेदनाओं और रंगों की एक अनूठी जुगलबंदी बन चुकी है।

कोरोनाकाल: जब आपदा बनी सृजन का अवसर

जीजी की इस कलात्मक यात्रा की शुरूआत किसी संयोग से कम नहीं है। जब संपूर्ण विश्व लॉकडाउन की खामोशी में डूबा था, तब उनके भीतर की सुप्त रचनात्मकता जाग उठी। अपने पुत्र और दृश्य कला के प्रोफेसर हेमन्त द्विवेदी के प्रोत्साहन पर उन्होंने पहली बार पेन और पेंसिल थामी। बिना किसी औपचारिक शिक्षण या तकनीकी प्रशिक्षण के, उन्होंने केवल अपनी अनुभूतियों को कागज पर उकेरना शुरू किया। उनके चित्रों में किसी जटिल तकनीक के बजाय जीवन का अनुभव और सरलता झलकती है, जो सीधे दर्शकों के हृदय को छू लेती है। जीजी के चित्रों का संसार अत्यंत व्यापक और सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण है। उनकी कृतियों में राजस्थानी लोक-जीवन की सतरंगी झलक दिखाई देती है:

लोक परंपराएं: व्रत-त्योहार, पारंपरिक लोक मेले और धार्मिक अनुष्ठान।

दैनिक जीवन: मिठाई की पुरानी दुकानें, वस्त्र भंडार और घरेलू कामकाज के दृश्य।

यादें: पुराने सिनेमा के दृश्य और पारिवारिक प्रसंगों की मधुर स्मृतियां।

उनके चित्र केवल रंग नहीं हैं, बल्कि वे एक बीते हुए समय की दस्तावेज हैं, जो वर्तमान पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का काम करते हैं।

स्टूडियो मुमुक्ष में सजी दूसरी एकल प्रदर्शनी

तीन वर्ष पूर्व अपनी पहली सफल प्रदर्शनी के बाद, जीजी की यह दूसरी एकल प्रदर्शनी उदयपुर के बड़ी क्षेत्र स्थित ''स्टूडियो मुमुक्ष'' में आयोजित की गई है। इस प्रदर्शनी की कुछ मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

कृतियां: प्रदर्शनी में उनके द्वारा बनाए गए 60 से अधिक उत्कृष्ट चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।

आकर्षण: शहर के प्रतिष्ठित कलाकार, विद्यार्थी और जिज्ञासु बड़ी संख्या में इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने पहुँच रहे हैं।

समय: यह प्रदर्शनी 25 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक कला प्रेमियों के लिए खुली रहेगी।

निष्कर्ष: उम्र पर भारी जुनून

सविता द्विवेदी ''जीजी'' की कहानी इस वैश्विक सत्य का सशक्त प्रमाण है कि सीखने और सृजन करने की कोई उम्र नहीं होती। यदि मन में इच्छाशक्ति और जुनून हो, तो जीवन की संध्या को भी रंगों से सराबोर किया जा सकता है। उनकी यह प्रदर्शनी केवल चित्रों का संग्रह नहीं, बल्कि एक 87 वर्षीय कलाकार के अदम्य साहस और जिजीविषा का उत्सव है।

भक्ति और उल्लास के रंगों में सराबोर हुआ धावास: सन्मति सुनीलम महिला मण्डल ने धूमधाम से मनाया फागोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

अजमेर रोड स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, धावास के प्रांगण में सन्मति सुनीलम महिला मण्डल द्वारा पारंपरिक फागोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। भक्ति, नृत्य और आपसी सौहार्द के इस उत्सव में समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ भाग लिया।

चंग की थाप पर थिरकीं महिलाएं, बिखरे अबीर-गुलाल के रंग

फागोत्सव का आकर्षण तब चरम पर पहुँच गया जब महिलाओं ने पारंपरिक चंग की थाप पर लोकगीतों के साथ सामूहिक नृत्य किया। गुलाबी नगरी की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व का सम्मान करते हुए सभी महिलाएँ गुलाबी परिधानों (पिंक ड्रेस कोड) में सजी-धजी थीं, जिससे पूरा परिसर उत्साह और उमंग से भर गया। महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर एवं गुलाल लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं और समाज में प्रेम, शांति तथा आपसी भाईचारे का संदेश प्रसारित करने की अपील की।

मनोरंजक क्रीड़ा प्रतियोगिताएं और पुरस्कार वितरण

मण्डल की संयोजक खुशबू छाबड़ा, सरिता लुहाड़िया, सीमा बड़जात्या एवं खुशबू कासलीवाल ने जानकारी दी कि उत्सव को और अधिक आनंदमय बनाने के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलों और क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से नवाजा गया।

इनकी रही सक्रिय सहभागिता

सरिता लुहाड़िया एवं सीमा बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम की सफलता में समाज की कई महिलाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसमें मुख्य रूप से: मंजू बड़जात्या, नीतू जैन, हर्षा जैन, स्वीटी जैन, गुडलक जैन, शिमला जैन, लेखा जैन, सीमा गोधा, तृप्ति जैन, अनु जैन, कविता जैन, बबीता जैन, नीलम काला, रीना जैन, अलका सेठी, कमलेश जैन, अल्पना जैन, रिदम जैन, रितिका जैन, प्रमिला जैन, मैना जैन, अरुणा सोनी, दीक्षा और राजश्री जैन सहित मण्डल की समस्त सदस्याएँ सक्रिय रूप से सम्मिलित रहीं।

भक्ति रस में सराबोर हुई श्रद्धा

181वें णमोकार जाप्य एवं विशाल भक्ति संध्या ने बांधा समां

शाबाश इंडिया

सामूहिक जिनेंद्र आराधना संस्था के तत्वाधान में दिनांक 22 फरवरी 2026 को 181वाँ णमोकार जाप्य एवं विशाल भक्ति संध्या का भव्य आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष श्री राकेश गोधा के माता-पिता, सुप्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय श्री जयकुमार जी गोधा एवं श्रीमती विमला देवी गोधा की पुण्य स्मृति में यह आयोजन श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, वर्धमान सरोवर, वंदे मातरम् सर्किल, मानसरोवर में अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। भक्ति संध्या का कार्यक्रम अत्यंत भावपूर्ण और शानदार रहा। जैन समाज के सुप्रसिद्ध एवं नामचीन कलाकारों ने अपनी मधुर गायकी से उपस्थित साधर्मी बंधुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से ए.आर. रहमान फेम डॉ. गौरव जैन, दीपशिखा जैन तथा ''पिंक सिटी वॉइस'' के नाम से विख्यात भाई नरेंद्र जैन सहित छह अन्य कलाकारों ने अपने मनमोहक एवं ध्यानमय भजनों की प्रस्तुतियों से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। भजनों की प्रस्तुति इतनी भावविभोर करने वाली रही कि ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो वर्धमान सरोवर स्थित मंदिर परिसर में बैठे-बैठे ही तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी सहित विभिन्न अतिशय क्षेत्रों के दिव्य दर्शन हो रहे हों। भक्ति संध्या में समाज के अनेक प्रमुख समाजसेवियों ने अपने व्यस्त समय में से समय निकालकर सहभागिता निभाई और भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि समापन तक लगभग सभी श्रद्धालु सभागार में उपस्थित रहे, जो आयोजन की उत्कृष्टता और सफलता का प्रमाण रहा। वास्तव में एक ही मंच पर इतने कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भक्ति संध्या लंबे समय तक श्रद्धालुओं के मन में आध्यात्मिक स्मृति बनकर रहेगी। कार्यक्रम अत्यंत भव्य, प्रेरणादायी और यादगार रहा।

चुनौती

उड़ान या अस्तित्व का संकट?

डा. वरिंदर भाटिया

भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग दशकों से देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ रहा है, लेकिन वर्तमान में यह एक अभूतपूर्व और चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। विडंबना यह है कि यह चुनौती किसी बाहरी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वयं तकनीकी कंपनियों द्वारा विकसित 'कृत्रिम मेधा' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से मिल रही है। जहां अब तक सॉफ्टवेयर विकास, परीक्षण और सेवाओं पर निर्भर कंपनियां वैश्विक बाजार में चमक रही थीं, वहीं अब कृत्रिम मेधा इन कार्यों को स्वचालित कर उनके पारंपरिक व्यावसायिक ढांचे को सीधे चुनौती दे रही है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि हम दुनिया के प्रमुख कार्य-स्रोत केंद्र माने जाते हैं। कृत्रिम मेधा वह तकनीक है, जो संगणक प्रणाली को मानवीय बुद्धि की तरह सीखने, तर्क करने, समस्या सुलझाने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। आज स्वास्थ्य, वित्त, कृषि और शासन-प्रशासन तक हर क्षेत्र में इसका प्रभाव बढ़ रहा है। जहां एक ओर यह तकनीक मानव जीवन को सुगम बनाने की क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह कई नैतिक, सामाजिक और कानूनी सवाल भी खड़े करती है। शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम मेधा एक बड़ी क्रांति लेकर आई है। इसकी मदद से विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए पढ़ाई को आसान बनाया जा सकता है। यह शिक्षकों को उत्तर-पुस्तिका जांचने और पाठ योजना जैसे नियमित कार्यों से मुक्त कर उन्हें शिक्षण की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर देती है। लेकिन इसका दूसरा पक्ष डरावना है। इस तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता छात्रों की मौलिक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को पंगु बना सकती है। जब उत्तर एक क्लिक पर उपलब्ध हों, तो छात्र स्वयं शोध करने और सीखने की प्रक्रिया से दूर हो सकते हैं। इसके साथ जुड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक 'भ्रामक सूचनाओं' का प्रसार है। इसके संवाद-यंत्रों और चित्र-चलचित्र निमार्ताओं की गति इंसानों से कहीं अधिक है। अपराधी तत्व इसका उपयोग शातिर तरीके से समाज में भ्रम फैलाने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा, निजता का संकट भी बढ़ गया है।

संपादकीय

अंकगणित की बिसात और संसदीय गरिमा के प्रश्न

भारतीय लोकतंत्र के उच्च सदन, राज्यसभा का आगामी चुनाव केवल रिक्त स्थानों को भरने की एक नियमित प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश की भविष्य की राजनीति और विधायी दिशा का निर्णायक मोड़ भी है। 16 मार्च को 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए होने वाले मतदान पर पूरे देश की नजरें टिकी हैं। महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5 सीटों से लेकर हिमाचल प्रदेश की 1 सीट तक, विधानसभाओं

के सदस्य एकल-स्थानांतरणीय मत पद्धति के माध्यम से नए प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। अप्रैल में रिक्त होने वाली इन सीटों के नतीजे उसी शाम स्पष्ट हो जाएंगे, लेकिन इसके राजनीतिक प्रभाव आने वाले कई वर्षों तक भारतीय संसदीय इतिहास को प्रभावित करेंगे। वर्तमान में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए यह चुनाव 'विधेयक पारित कराने की सुगमता' का मार्ग प्रशस्त करने वाला सिद्ध हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी के पास अभी अपने 103 सांसद हैं और गठबंधन का कुल आंकड़ा 133 तक पहुंचता है। सदन में पूर्ण बहुमत के लिए 123 का जादुई आंकड़ा आवश्यक है। महाराष्ट्र और बिहार में बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों और बढ़ी हुई विधानसभा शक्ति के कारण भाजपा को यहां स्पष्ट लाभ मिलने की उम्मीद है। ओडिशा, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में सत्ता पक्ष की मजबूत स्थिति तथा असम में सहयोगी दलों के समर्थन से गठबंधन को 7 से 9 सीटों का शुद्ध लाभ होने का अनुमान है। यदि सत्ता पक्ष अपने दम पर पूर्ण बहुमत प्राप्त कर लेता है, तो वक्फ सुधार और नागरिकता जैसे विवादित विधेयकों को पारित कराने में सरकार को ऊपरी सदन में वैसी अड़चनों का सामना नहीं करना पड़ेगा, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली हैं। दूसरी ओर, विपक्षी गठबंधन के लिए यह चुनाव अस्तित्व की रक्षा जैसा है। उसे लगभग 5 से 6 सीटों की हानि झेलनी पड़ सकती है। विशेषकर महाराष्ट्र में, जहां क्षेत्रीय दलों की घटती विधायक संख्या उनके दिग्गज सांसदों की राह मुश्किल कर सकती है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे की खींचतान विपक्ष की एकजुटता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। विपक्ष के लिए अब चुनौती केवल विरोध दर्ज कराने की नहीं, बल्कि सदन में अपनी प्रभावी उपस्थिति बनाए रखने की है। यदि ऊपरी सदन में विपक्ष और अधिक कमजोर होता है, तो राज्यसभा की वह मौलिक भूमिका जल्दबाजी में लिए गए निर्णयों पर पुनर्विचार और संघीय समीक्षा संकट में पड़ सकती है। राज्यसभा का गठन इस उद्देश्य से किया गया था कि यहां विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों और राज्यों के हितों का प्रतिनिधित्व हो, जो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नीतिगत चर्चा करें। यदि सत्ता पक्ष भारी बहुमत के साथ इसे केवल सरकारी निर्णयों पर मुहर लगाने वाला सदन बना देता है, तो लोकतांत्रिक संतुलन बिगड़ने का भय रहता है। साथ ही, राजनीतिक दलों द्वारा उम्मीदवारों के चयन की पारदर्शिता पर भी सवाल उठते हैं। नामांकन प्रक्रिया 26 फरवरी से प्रारंभ हो चुकी है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

प्रशासनिक पारदर्शिता की नई कसौटी

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के आईपीएस अधिकारियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक होने के बाद प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता पर एक नई बहस छिड़ गई है। जब कानून-व्यवस्था के रक्षकों के पास करोड़ों की संपत्ति जमीन, फार्महाउस और भारी निवेश के आंकड़े सामने आते हैं, तो जनता के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह धन केवल वैधानिक आय का हिस्सा है? यह प्रश्न केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि उस सामाजिक अनुबंध का है जो जनता और प्रशासन के बीच विश्वास की नींव पर टिका होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारी पद केवल शक्ति का केंद्र नहीं, बल्कि नैतिक आचरण की कसौटी भी है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी राज्य की शक्ति का चेहरा होते हैं। वे कानून लागू करते हैं और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हैं। ऐसे में उनकी आर्थिक स्थिति का पारदर्शी होना अनिवार्य है। संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करना एक सराहनीय कदम है, क्योंकि लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि 'सत्ता जनता से छिपी नहीं होनी चाहिए'। सूचना का अधिकार और संपत्ति की घोषणा जैसी परंपराएं शासन को और अधिक खुला बनाती हैं। हालांकि, केवल विवरण साझा कर देना ही पर्याप्त नहीं है। असली चुनौती उस डेटा की प्रामाणिकता की जांच करना है। क्या इन विवरणों की कोई स्वतंत्र एजेंसी समीक्षा करती है? क्या घोषित संपत्ति अधिकारियों की ज्ञात आय के स्रोतों से मेल खाती है? यदि यह प्रक्रिया केवल एक वार्षिक औपचारिकता बनकर रह जाती है, तो पारदर्शिता का वास्तविक उद्देश्य यानी भ्रष्टाचार पर लगाम अधूरा रह जाता है। जवाबदेही तभी सुनिश्चित हो सकती है जब विसंगति पाए जाने पर निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई का भी प्रावधान हो। यहां यह समझना भी आवश्यक है कि पूरे तंत्र को एक ही नजरिए से देखना गलत होगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा में आज भी ऐसे अनगिनत अधिकारी हैं जो ईमानदारी और सादगी की मिसाल हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी बिना किसी प्रलोभन के देश सेवा में जुटे रहते हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में भ्रष्टाचार के बड़े मामलों और व्यवस्था की जटिलताओं ने जनता के मन में एक गहरा संदेह पैदा किया है। जब एक आम आदमी छोटे से काम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाता है और दूसरी ओर अधिकारियों की अकूत संपत्ति की खबरें सुनता है, तो उसका व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाने लगता है। यही कारण है कि संपत्ति के इन खुलासों को केवल सनसनीखेज खबरों के रूप में नहीं, बल्कि व्यवस्था सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। डिजिटल युग ने इस पारदर्शिता को और सुलभ बना दिया है। यदि सभी अधिकारियों के संपत्ति विवरण, उनके द्वारा लिए गए प्रमुख प्रशासनिक निर्णय और वित्तीय प्रक्रियाएं ऑनलाइन और सुव्यवस्थित रूप से उपलब्ध हों, तो भ्रष्टाचार की गुंजाइश स्वतः कम हो जाएगी। अंततः, लोकतंत्र का आधार कानून नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है। अधिकारियों के भीतर सेवा भावना, जिम्मेदारी का एहसास और सार्वजनिक जीवन की मर्यादा ही इस विश्वास को बनाए रख सकती है। मीडिया और नागरिक समाज की भी यह जिम्मेदारी है कि वे इन तथ्यों पर संतुलित और तथ्यपूर्ण बहस करें। हरियाणा का यह मामला हमें याद दिलाता है कि लोकतंत्र में सवाल पूछना ही उसे जीवित रखता है। यदि सरकारें इन सवालों का जवाब ईमानदारी और ठोस सुधारों के साथ देती हैं, तो यह न केवल प्रशासन को मजबूत करेगा, बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को भी नई ऊर्जा देगा।

जिन्दा रहना, जिन्दा लगना और जिन्दा होना, तीनों में है बड़ा अंतर: अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी

भीलवाड़ा/महुआ (राजस्थान). शाबाश इंडिया

अहिंसा, संस्कार और आत्मिक जागरण का संदेश लेकर अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' निरंतर गतिमान है। यह पदयात्रा अपनी मंजिल–दीक्षा भूमि परतापुर (बांसवाड़ा) की ओर बढ़ रही है। इसी श्रृंखला में आज भीलवाड़ा जिले के प्रवास के दौरान गुरुदेव ने उपस्थित जनसमूह को जीवन के गूढ़ रहस्यों से अवगत कराया।

आचार्य श्री का आध्यात्मिक बोध: जीवन की तीन स्थितिया

प्रवचन के दौरान आचार्य श्री ने मनुष्य के अस्तित्व को तीन श्रेणियों में विभाजित करते हुए जीवन जीने की **कला सिखाई:**

जिन्दा रहना: आचार्य श्री ने कहा कि जीते जी सार्थक जीवन जीना और मृत्यु के पश्चात भी लोगों की स्मृतियों में शेष रहना ही असली 'जिन्दा रहना' है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति का जीवन प्रेम, सेवा, दान, परोपकार और त्याग से ओत-प्रोत हो। ऐसा महापुरुष मरने के बाद भी जन-जन के हृदय में जीवित रहता है। **जिन्दा लगना:** यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ व्यक्ति केवल सांसों का आवागमन (आरोहण-अवरोहण) कर रहा है। जब मनुष्य अपनों से या परिस्थितियों से हारकर उत्साहहीन हो जाता है, तब वह बाहर से तो जीवित लगता है, परंतु भीतर से जीने का भाव समाप्त हो जाता है। उन्होंने मार्मिक पंक्तियों के माध्यम से कहा: ''जिन्दा हूँ जिस तरह कि गमे-ज़िन्दगी नहीं,
जलता हुआ दीया हूँ, मगर रोशन नहीं।''
जैसे एक अच्छा बीता हुआ दिन सुखद नींद लाता है, वैसे ही श्रेष्ठता से जिया गया जीवन सुखद मृत्यु (समाधि) का आधार

बनता है। **जिन्दा होना:** इसका अर्थ है–जिन्दादिल इंसान। जो सेवा, करुणा, परोपकार, सद्भाव और भक्ति के हर कार्य में अग्रणी रहे। 'जिन्दा होना' यानी समाज के भरोसेमंद और लोगों की भावनाओं का केंद्र बन जाना।

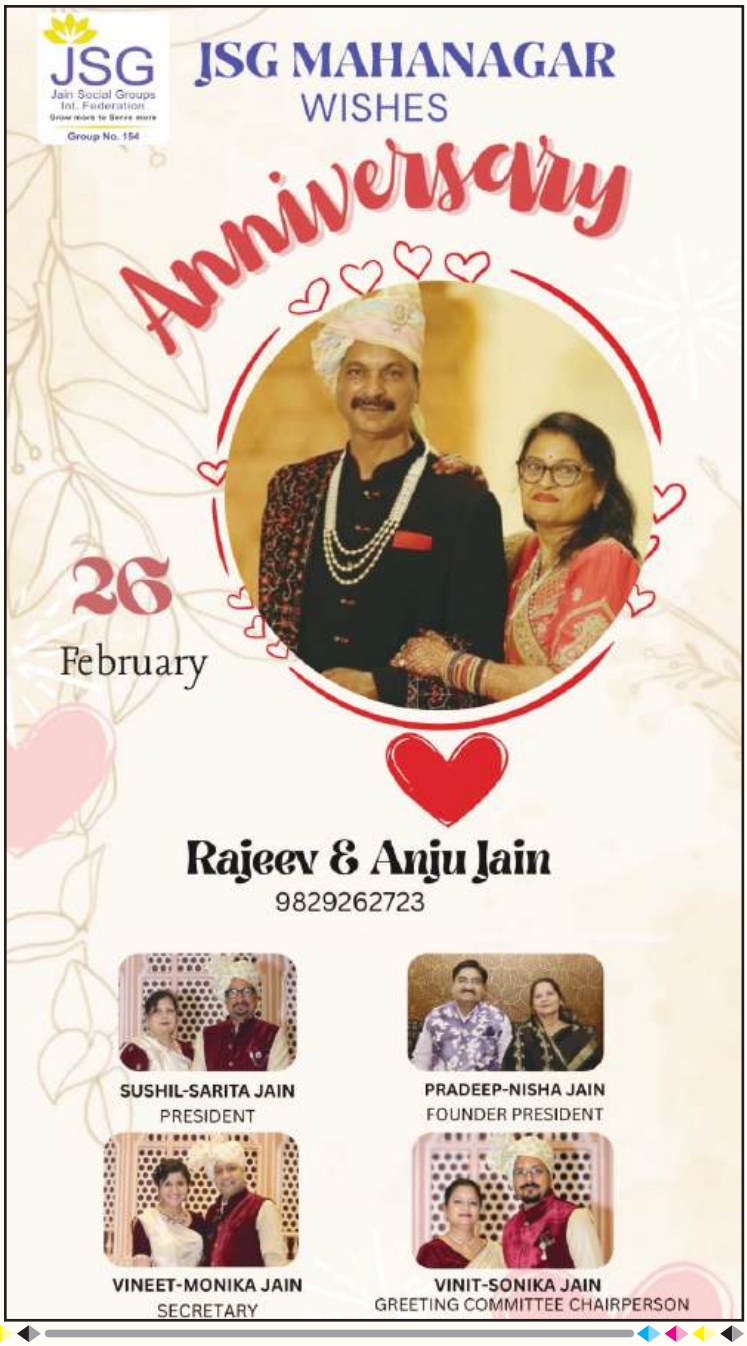

शालीमार एन्क्लेव जैन मंदिर में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान जारी, भक्ति के साथ उमड़ा आस्था का सैलाब

आगरा. शाबाश इंडिया

कमला नगर स्थित शालीमार एन्क्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित 'श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान' श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हो रहा है। उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनि श्री विश्वसाम्य सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में चल रहे इस विधान में प्रतिदिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। पारस जैन कंसल एवं मधु जैन कंसल परिवार के सौजन्य से आयोजित इस विधान के तीसरे दिन बुधवार को सामूहिक धार्मिक क्रियाएं संपन्न हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल भगवान आदिनाथ के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुआ। बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया जी के कुशल निर्देशन में विधान के पात्रों ने मंत्रोच्चार के साथ अष्ट द्रव्यों से मंडल पर अर्घ्य समर्पित किए। भक्तिमय संगीत और मंगल ध्वनियों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। सायंकालीन वेला में मंदिर परिसर दीपों की ज्योति से जगमगा उठा। श्रद्धालुओं ने सुमधुर भजनों के बीच भगवान आदिनाथ की भव्य मंगल आरती की और भक्तामर पाठ का सामूहिक वाचन किया। इस अवसर पर पारस जैन, संभव जैन, विनीत जैन, सुमेर पांडया, राजकुमार 'गुड्डू', राजू गोधा सहित समस्त कमला नगर जैन समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। यह भव्य आयोजन 3 मार्च तक निरंतर जारी रहेगा।

रिपोर्ट: शुभम जैन

संयम का महत्व : सफल जीवन की कुंजी

मनुष्य के जीवन में अनेक गुणों का विशेष महत्व होता है, परंतु संयम उन सभी में सर्वोपरि माना गया है। संयम का अर्थ है–अपने विचारों, वाणी, भावनाओं और कर्मों पर नियंत्रण रखना। यह केवल बाहरी आचरण तक सीमित नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मनियंत्रण की अवस्था है। जिस व्यक्ति के जीवन में संयम होता है, वह विपरीत परिस्थितियों में भी शांत, धैर्यवान और स्थिर बना रहता है। संयम व्यक्ति को सही और गलत के बीच अंतर करने की शक्ति प्रदान करता है। क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे विकार मनुष्य को पथभ्रष्ट कर सकते हैं, किंतु संयम इन पर नियंत्रण रखने का सशक्त माध्यम है। जो व्यक्ति अपनी इच्छाओं और भावनाओं पर नियंत्रण कर लेता है, वही जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करता है। सफलता केवल धन या पद प्राप्त करने का नाम नहीं है, बल्कि आत्मसंतोष, सम्मान और संतुलित जीवन भी उसके महत्वपूर्ण अंग हैं। संयमित व्यक्ति अपने लक्ष्यों की ओर धैर्य और दृढ़ता के साथ अग्रसर होता है। वह कठिनाइयों से घबराता नहीं, बल्कि विवेक और धैर्य से उनका समाधान खोजता है। यही गुण उसे दूसरों से अलग और विशिष्ट बनाते हैं। वाणी में संयम रखने वाला व्यक्ति समाज में सम्मान प्राप्त करता है। एक कटु शब्द संबंधों को तोड़ सकता है, जबकि मधुर वाणी रिश्तों को सुदृढ़ बनाती है। इसी प्रकार भोजन, समय और संसाधनों में संयम रखने से स्वास्थ्य, संतुलन और संतोष बना रहता है। आज के भौतिकवादी युग में, जहाँ आकर्षण और प्रलोभन हर कदम पर उपस्थित हैं, संयम की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। संयम आध्यात्मिक उन्नति का भी आधार है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है कि जिसने इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर ली, उसने स्वयं पर विजय प्राप्त कर ली। आत्मविजय ही सच्ची विजय है। अंततः कहा जा सकता है कि संयम केवल एक गुण नहीं, बल्कि सफल और सुखी जीवन की कुंजी है। यदि हम अपने जीवन में संयम को अपनाएँ, तो न केवल व्यक्तिगत प्रगति संभव है, बल्कि परिवार और समाज में भी शांति, संतुलन और समृद्धि स्थापित हो सकती है।

– अनिल माथुर:
ज्वाला-विहार, जोधपुर

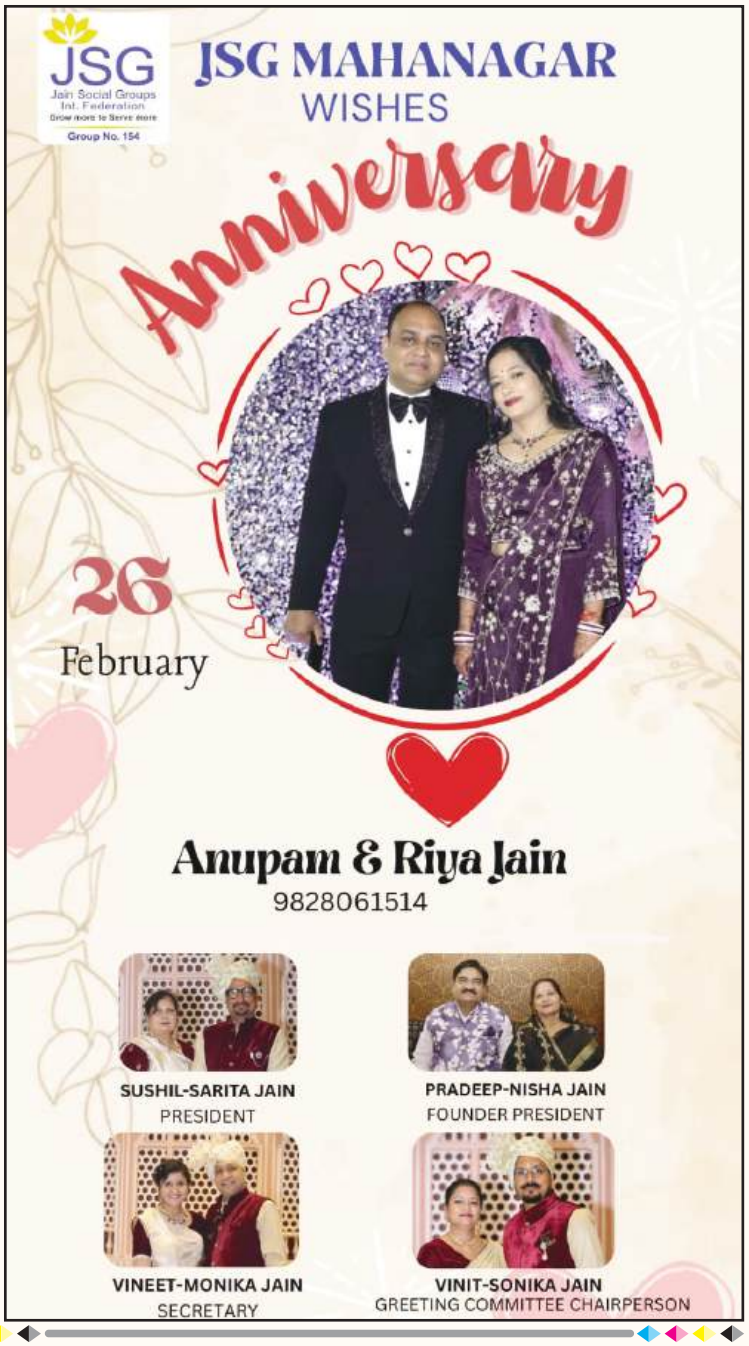

कोटा की बेटी सौम्या जैन ने बिखेरा बांसुरी वादन का जादू, "सुर नूर" उपाधि और स्वर्ण पदक से हुईं सम्मानित

जयपुर/कोटा. शाबाश इंडिया

कोटा की प्रतिभा और जैन समाज की गौरव सुश्री सौम्या जैन ने अपनी कलात्मक साधना से राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का परचम फहराया है। जयपुर की 'दर्शक संस्था' द्वारा 19 से 23 फरवरी तक आयोजित प्रतिष्ठित ₹सुर नूर₹ प्रतियोगिता में सौम्या ने बांसुरी वादन में प्रथम स्थान प्राप्त कर समाज और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

उपलब्धियां और सम्मान

इस कठिन प्रतियोगिता में सौम्या को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए निम्नलिखित सम्मानों से नवाजा गया:
स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) और प्रमाणपत्र।
10,000 रुपये का नकद पुरस्कार।

जनता की पसंद के लिए ओडियंस अवार्ड।
संस्था द्वारा दी गई गौरवशाली सुर नूर उपाधि।

भक्ति और कला का संगम

राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने जानकारी देते हुए बताया कि सौम्या न केवल एक कुशल कलाकार हैं, बल्कि उनकी कला में गहरी आध्यात्मिकता भी है। वे अक्सर जिनालयों में और पूज्य मुनिराजों एवं आर्यिका माताओं के सानिध्य में बांसुरी वादन के माध्यम से अपनी भक्ति अर्पित करती हैं।

सफलता का मूलमंत्र

अपनी इस स्वर्णिम सफलता पर सौम्या जैन ने कहा कि वे इसका श्रेय देवाधिदेव और गुरुजनों के मंगल आशीर्वाद के साथ-साथ अपने माता-पिता (श्रीमती रिंकु जैन एवं श्री अरविंद कुमार जैन) द्वारा दिए गए निरंतर प्रोत्साहन और स्वयं के कठिन परिश्रम को देती हैं। परिवारजनों का मानना है कि उनके दादा-दादी (धर्मनिष्ठ श्री सागर चंद जैन एवं श्रीमती शकुंतला जैन) द्वारा दिए गए उच्च संस्कारों का ही यह सुखद फल है। सौम्या की इस उपलब्धि पर समाज के विभिन्न संगठनों और प्रबुद्धजनों ने उनके उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना की है।

प्रस्तुति:
पारस जैन 'पार्श्वमणि'

व्यापारिक उन्नति और सहयोग का संगम: रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की 14वीं 'ग्रैंड बिज़नेस मीट' संपन्न

जयपुर

राजधानी के होटल बेला कासा में रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा आयोजित 14वीं ग्रैंड बिज़नेस मीट अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस प्रातःकालीन व्यावसायिक सभा का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के व्यापार को नई दिशा देना, आपसी समन्वय बढ़ाना और नवीन व्यावसायिक अवसरों का सृजन करना था।नेटवर्किंग और रणनीतिक चर्चा पर जोरइस मीट में रोटरी क्लब के सदस्यों के साथ-साथ कई नए अतिथि उद्यमियों ने भी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से निम्नलिखित गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया गया:व्यावसायिक परिचय (Business Introduction): सदस्यों ने अपने नवाचारों और सेवाओं की जानकारी साझा की। रेफरल एक्सचेंज: आपसी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक संदर्भों का आदान-प्रदान किया गया।नेटवर्किंग सत्र: भविष्य की ठोस रणनीतियों और विकास की दृष्टि (Growth Vision) पर विस्तृत चर्चा हुई।उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंत उपयोगी और परिणामदायी बताया।अध्यक्षीय संबोधन: सहयोग ही सफलता की कुंजीरोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष अनिल जैन ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा:₹यह मीटिंग केवल मिलने का माध्यम नहीं, बल्कि सामूहिक प्रगति का एक सशक्त मंच है। जब हम एक-दूसरे के व्यापार को समझते हैं और 'रेफरल' साझा करते हैं, तो न केवल व्यक्तिगत विकास होता है, बल्कि सामूहिक सफलता का मार्ग भी प्रशस्त होता है। हमारा लक्ष्य है कि रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ व्यापारिक उन्नति का सबसे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म बने।₹उन्होंने आगे आह्वान किया कि प्रत्येक सदस्य एक-दूसरे की प्रगति का भागीदार बने और हर बैठक को एक नए अवसर में बदलने का संकल्प ले।भविष्य का संकल्पकार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे क्लब के माध्यम से अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और अधिक से अधिक नए उद्यमियों को इस मंच से जोड़ेंगे। यह बिज़नेस मीट अनुशासन और सकारात्मक सोच का उत्कृष्ट उदाहरण रही, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ सामाजिक सेवा के साथ-साथ आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक अग्रणी शक्ति है।

विपदा में धैर्य: जीवन का सच्चा आभूषण

"विपदा आवे धीर धर, मन को मत कर दीन।
नर घटे तब जानिये, धीरज धर जो मीन॥"

यह दोहा जीवन के गूढ़ सत्य को सरल शब्दों में व्यक्त करता है। सुख में तो हर व्यक्ति शांत और प्रसन्न दिखता है, परंतु मनुष्य के चरित्र की वास्तविक परीक्षा विपत्ति के समय ही होती है। कठिन समय में जो स्वयं को स्थिर रखता है, वही वास्तव में धैर्यवान कहलाता है।

विपत्ति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है—चाहे वह व्यापारिक हानि हो, पारिवारिक चिंता या सामाजिक विरोध। ये परिस्थितियाँ हमें तोड़ने के लिए नहीं, बल्कि हमें और अधिक मजबूत बनाने के लिए आती हैं। जिस प्रकार जल के बिना मछली तड़पने लगती है, वैसे ही धैर्य खोने पर मनुष्य का विवेक विचलित हो जाता है। सच्चा 'धीर' वही है जो प्रतिकूल स्थितियों में भी अपने अस्तित्व और संयम को बनाए रखे। कठिन समय में मन को 'दीन' या असहाय नहीं करना चाहिए। निराशा हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। जब मन हार मान लेता है, तो बाहरी चुनौतियाँ और अधिक भयावह लगने लगती हैं। धैर्य का अर्थ यह नहीं है कि हम निष्क्रिय होकर बैठ जाएँ, बल्कि इसका अर्थ है कि संकट के समय आवेश में कोई निर्णय न लिया जाए। जो व्यक्ति संकट में भी मानसिक संतुलन बनाए रखता है, वही सही मार्ग खोजने में सक्षम होता है। इतिहास साक्षी है कि बड़े से बड़े संकट समय के साथ समाप्त हो जाते हैं, किंतु जो धैर्य खो देते हैं, वे स्वयं को पुनः संभाल नहीं पाते। जीवन में सफलता-असफलता और प्रशंसा-आलोचना का चक्र चलता रहेगा, परंतु धैर्य को साथी बनाने वाला व्यक्ति ही अंततः विजयी होता है। अतः जब भी जीवन में विपदा आए, स्वयं को विश्वास दिलाएँ—यह समय भी बीत जाएगा। परिस्थितियों से घबराने के बजाय धैर्य के साथ उनका सामना करना ही जीवन की वास्तविक साधना और सच्ची जीत है।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
सम्पर्क :9215635871

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

भीलवाड़ा बना सनातन की जीवंत अयोध्या: संतों के सान्निध्य में निकली ऐतिहासिक शोभायात्रा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

वस्त्र नगरी भीलवाड़ा ने बुधवार को एक ऐसा आध्यात्मिक वैभव जिया, जिसने इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ दी। हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय 'सनातन मंगल महोत्सव' के अंतर्गत निकली संत दर्शन एवं सनातन शोभायात्रा ने पूरे शहर को राममय और शिवमय कर दिया। हजारों भक्तों की उपस्थिति और जयघोष के बीच भीलवाड़ा सचमुच 'आज की अयोध्या' प्रतीत हो रहा था।

पुष्पवर्षा और जयघोष से गूंजा नगर

शोभायात्रा का शुभारंभ प्रातः काल 'अयोध्यानगर' (दूधाधारी मंदिर) से हुआ। इसमें सबसे भावुक और ऐतिहासिक क्षण वह था जब दीक्षार्थी इन्द्रदेव, सिद्धार्थ एवं कुनाल की नगर परिक्रमा निकली। संतों के सान्निध्य में निकली इस यात्रा का मार्ग तोरणद्वारों से सजा था और घर-घर से आरती उतारी गई। विशेष आकर्षण तब बना जब नेताजी सुभाष मार्केट और स्टेशन चौराहे पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई, जिसे देख श्रद्धालु रोमांचित हो उठे।

संतों का महासंगम और सांस्कृतिक छटा

शोभायात्रा में देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों महामंडलेश्वर और संतों के दर्शन पाकर जन-मानस धन्य हो उठा। इसमें कार्ष्णि पीठाधीश्वर स्वामी गुरुशरणानंद महाराज (रमणरेती), स्वामी शरणानंद, स्वामी हंसराम उदासीन सहित मेवाड़ के कई प्रतिष्ठित संत शामिल हुए। नासिक, जम्मू और उड़ीसा की ढोल टीमों की गूंज, उज्जैन की महाकाल टीम के करतब और शिव बारात की झांकियों ने समां बांध दिया।

धर्म और राष्ट्रभक्ति का अनूठा संगम

यह यात्रा केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें राष्ट्रभक्ति का भी अद्भुत संगम दिखा। 'जय श्री राम' के साथ 'वंदे मातरम' और 'भारत माता' के जयकारे गूंजते रहे। झांकियों में वीर शिवाजी और रानी लक्ष्मीबाई के जीवंत स्वरूप के साथ पूर्व सैनिक भी गौरव के साथ शामिल हुए। स्टेशन चौराहे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। सिंधी समाज सहित विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने दोपहर तक प्रतिष्ठान बंद रख अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

दीक्षा दान का महापर्व आज

महोत्सव का समापन 26 फरवरी, गुरुवार को होगा। प्रातः 9 बजे हरि शेवा आश्रम में संतों के सान्निध्य में भव्य दीक्षा दान समारोह आयोजित होगा। इसके पश्चात दोपहर 1 बजे अग्रवाल उत्सव भवन में 'एक संगत, एक पंगत' के भाव के साथ विशाल समष्टि भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया से भी श्रद्धालु भीलवाड़ा पहुँचे हैं।

बॉलीवुड के सितारों की तरह उमड़ा प्यार: जेएसजी ग्लोरी ने मनाई भव्य "इश्कबाजी नाइट"

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप ग्लोरी द्वारा किंग्समैन लाउंज में वेलेंटाइन डे के उपलक्ष्य में 'ग्लोरी इश्कबाज नाइट इन बॉलीवुड स्टाइल' का शानदार आयोजन किया गया। रोमांटिक शाम में 160 दंपति सदस्यों ने शिरकत की और बॉलीवुड के फिल्मी अंदाज में प्यार का उत्सव मनाया।

बॉलीवुड के किरदारों में सजे सदस्य

कार्यक्रम की थीम बॉलीवुड पर आधारित थी, जहाँ सदस्य फिल्मी सितारों के रूप में सजे-धजे नजर आए। राजकपूर-नरगिस, देव आनंद-मधुबाला से लेकर शाहरुख-काजोल और रणवीर-दीपिका जैसे किरदारों में ढले सदस्यों ने अपने साथी के प्रति प्रेम का इजहार किया। अल्लू अर्जुन और अमिताभ-रेखा के गेटअप में आई जोड़ियों ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

उत्सव, आतिशबाजी और पुरस्कार

इस अवसर पर 14 मेजों पर सामूहिक रूप से केक काटा गया और भव्य आतिशबाजी की गई। रंगारंग सांस्कृतिक संध्या में सर्वश्रेष्ठ कपल, सर्वश्रेष्ठ नृत्य और अन्य श्रेणियों में पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कार विजेताओं में मीनू पाटनी, ललिता, विनीत-ख्याति जैन, स्वाति-कुणाल काला आदि प्रमुख रहे।

आयोजक और विशेष अतिथि

कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम-आकांक्षा निगोतिया, अखिल-अनीता पाटनी, राहुल-पूर्णिमा जैन, अमित-रुचिका काला और प्रकाश-अंजू जैन का विशेष योगदान रहा। उन्होंने शानदार रोशनी और संगीत के साथ सदस्यों को एक जादुई माहौल प्रदान किया। कार्यक्रम में उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष श्री राजीव पाटनी एवं श्रीमती पाटनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अध्यक्ष पीयूष-मोनाली सोनी, सचिव हेमंत-श्वेता बड़जात्या और कोषाध्यक्ष रूबी-सौरभ जैन सहित पदाधिकारियों ने विजेताओं को उपहार भेंट किए।

आगामी कार्यक्रमों की घोषणा

समारोह के अंत में अध्यक्ष पीयूष सोनी ने भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। सचिव हेमंत बड़जात्या ने सभी आगंतुकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

जिनवाणी का मार्ग अपनाओ, जीवन को सार्थक बनाओ : सुकन मुनि महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

संसार रूपी भवसागर से पार उतरने का सच्चा साधन जिनवाणी का मार्ग है। जब मनुष्य जीवन को धर्मदृष्टि से देखता है और जिनवाणी के संदेश को अपने आचरण में उतारता है, तभी उसका जीवन सार्थक और महान बनता है। यह विचार चन्द्रशेखर आजाद नगर स्थित रूपरजत विहार में बुधवार को आयोजित धर्मसभा में प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ है और इसका उद्देश्य आत्मकल्याण है। यदि व्यक्ति जिनवाणी के सिद्धांतों को जीवन में आत्मसात कर ले, तो वह मोह, राग, द्वेष और अहंकार जैसे बंधनों से मुक्त होकर आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि जिनवाणी केवल सुनने की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन जीने की दिशा है। जब विचार, वचन और व्यवहार में धर्म उतरता है, तब जीवन में शांति, विनम्रता और करुणा का प्रकाश फैलता है। धर्म दिशा देता है, संयम मर्यादा प्रदान करता है और आत्मचिंतन जीवन को गहराई देता है। उपप्रवर्तक अमृत मुनि महाराज ने कहा कि मन के भाव ही व्यक्ति के व्यवहार और व्यक्तित्व में झलकते हैं। मन ही शरीर की समस्त क्रियाओं का नियंत्रक है। यदि मन शांत और पवित्र हो तो जीवन संतुलित बनता है, किंतु अशांत मन व्यक्ति को सुख-सुविधाओं के बीच भी बेचैन बनाए रखता है। उन्होंने भावशुद्धि और आत्मनियंत्रण को सुखी जीवन की कुंजी बताया। डॉ. वरुण मुनि ने 'निश्चय और व्यवहार' विषय की व्याख्या करते हुए कहा कि आत्मा की शुद्धता का विश्वास और व्यवहार में

संयम–दोनों का संतुलन आवश्यक है। विचारों में धर्म और आचरण में ढिलाई जीवन को अधूरा बना देती है। जब निश्चय और व्यवहार एक हो जाते हैं, तभी साधना पूर्णता प्राप्त करती है। युवा प्रणेता महेश मुनि, रविन्द्र मुनि एवं अखिलेश मुनि ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच भी आत्मचिंतन, सदाचार और नैतिकता को जीवन का आधार बनाएं। धर्मसभा के दौरान समाज के प्रमुख गणमान्य पदाधिकारियों में कंवरलाल सूरिया, नवरतनमल भलावत, सुशील चपलोत, कुलदीप सिंह डांगी, अशोक पोखरना, हेमंत आंचलिया तथा शास्त्री नगर श्रीसंघ के अध्यक्ष अजय सांड एवं कान सिंह चौधरी सहित अन्य पदाधिकारियों का रूपरजत विहार के अध्यक्ष राजेन्द्र सकलेचा द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। प्रवक्ता सुनील चपलोत ने बताया कि गुरुवार प्रातः प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज एवं उपप्रवर्तक अमृत मुनि महाराज आदि ठाणा नाड़ी मोहल्ला स्थित महावीर भवन पधारेंगे। वहीं 28 फरवरी को भव्य जुलूस के साथ संतवृंद का शांति भवन में होली चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश होगा।

– प्रवक्ता : सुनील चपलोत
रूपरजत विहार, चन्द्रशेखर आजाद नगर, भीलवाड़ा
मो. 9414730514

मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने किया उत्तर प्रदेश में प्रवेश; योगी सरकार ने घोषित किया 'राजकीय अतिथि'

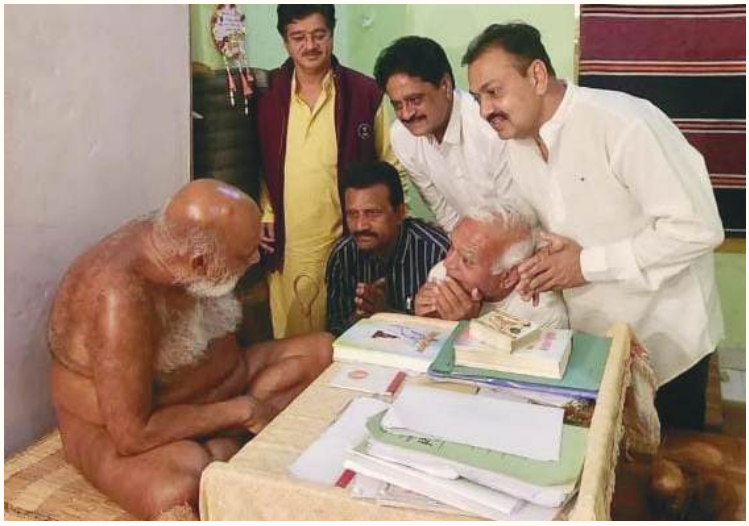

ललितपुर/अशोकनगर. शाबाश इंडिया

अध्यात्म और संयम के पुंज, निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ ने बुधवार को मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले की सीमा राजघाट से उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में मंगल प्रवेश किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने मुनिश्री की महत्ता और आध्यात्मिक प्रभाव को देखते हुए उन्हें 'राजकीय अतिथि' घोषित किया है।

सीमा पर भावुक विदाई और भव्य अगवानी

मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित ग्राम वामौर में हजारों श्रद्धालुओं ने नम आँखों से गुरुदेव को विदाई दी। जैसे ही मुनिश्री ने उत्तर प्रदेश की धरा पर कदम रखा, प्रशासन और ललितपुर के हजारों भक्तों ने जयकारों के साथ उनकी भव्य अगवानी की। मध्य प्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि अशोकनगर में पंचकल्याणक महायज्ञ, गोलाकोट तीर्थ और वामौर विमान महोत्सव की सफलता के बाद अब उत्तर प्रदेश के सैरोनजी तीर्थ क्षेत्र में गुरुदेव के सान्निध्य में धर्म की गंगा बहेगी।

वामौर में विद्यालय और पशु चिकित्सालय का शिलान्यास

उत्तर प्रदेश प्रवेश से पूर्व, सीमांत नगर वामौर में मुनिश्री के सान्निध्य में दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास हुआः आचार्य विद्यासागर महाराज विद्यालय 2. सुधासागर पशु चिकित्सा भवन इन परियोजनाओं का भव्य शिलान्यास मोदी गारमेंट परिवार (अशोकनगर-वामौर) के अशोक कुमार, अमोल कुमार और विनोद कुमार मोदी द्वारा किया गया। बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया और सुयश भैया के मंत्रोच्चार के बीच जगत कल्याण हेतु महाशांतिधारा संपन्न हुई। इस पुण्य अवसर पर मंत्री विजय धुर्रा, राजकुमार जैन, भानु चौधरी सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

गुरुदेव का पावन संदेशः 'विश्व शांति के लिए हम भी आपके साथ'

वामौर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री ने कहाः

'वार्षिक विमान महोत्सव में भगवान जिनेन्द्र देव मंदिर से बाहर निकलकर सर्वसमाज पर अपनी कृपा बरसाते हैं। इस अवसर के गंधोदक में सामान्य दिनों की तुलना में अनंत गुना शक्ति होती है। जब उत्तर प्रदेश के भक्तों ने विश्व शांति महायज्ञ का संकल्प ले ही लिया है, तो हम भी उसमें शामिल होकर जगत कल्याण की कामना अवश्य करेंगे।'

प्रमुख उपस्थिति

इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए थूवोनजी कमेटी के शिरोमणि संरक्षक शालू भारत, संरक्षक विनोद मोदी, जैन समाज अध्यक्ष राकेश कंसल, उपाध्यक्ष अजीत बरोदिया, राजेंद्र अमन, गोलू बाझल, सत्यम जैन धुर्रा सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने गुरुदेव को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

लायन ऑफ द रीजन का सर्वोच्च अवार्ड मिलने पर अतुल पाटनी का सम्मान

अजमेर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब अजमेर आस्था की साधारण सभा का आयोजन किशनगढ़ टोल के समीप स्थित होटल हाईवे किंग में क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ''लायन ऑफ द रीजन'' के सर्वोच्च सम्मान से अलंकृत लायन अतुल पाटनी का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन मुकेश कर्णावट ने जानकारी देते हुए बताया कि संभागीय अध्यक्ष लायन हरीश गर्ग के नेतृत्व में आयोजित संभागीय अधिवेशन में लायनेस्टिक वर्ष 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान लायन अतुल पाटनी को वर्ष भर सर्वाधिक सेवा प्रकल्पों में सक्रिय सहयोग और उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए ''लायन ऑफ द रीजन'' अवार्ड से सम्मानित किया गया था। उसी उपलब्धि के उपलक्ष्य में क्लब की बैठक में उनका औपचारिक सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्लब के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल को भी 'भामाशाह अवार्ड' प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया। सभा में क्लब को पूर्व में नेतृत्व प्रदान कर चुके अध्यक्षगण सहित वर्तमान अध्यक्ष मुकेश कर्णावट, सचिव दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता तथा 30 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे।

भवानी निकेतन में 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ

राज्यपाल ने दी आहुतियां, अब तक 61 लाख मंत्रों का जप

जयपुर. शाबाश इंडिया। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन में आयोजित नौ-दिवसीय '108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ' आस्था और भव्यता का केंद्र बना हुआ है। महायज्ञ के विशेष अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल ने यज्ञशाला पहुंचकर प्रधान कुंड में प्रदेश के जनकल्याण और विकास की कामना के साथ आहुतियां अर्पित कीं। राज्यपाल महोदय ने कथा श्रवण के उपरांत कहा कि ऐसी धार्मिक परंपराओं से न केवल वातावरण शुद्ध होता है, बल्कि गौ-रक्षा और सेवा का भाव भी जाग्रत होता है। यज्ञाचार्य पंडित गणेश दास और महंत हरि शंकर दास वेदांती के निर्देशन में अब तक 61 लाख आहुतियां समर्पित की जा चुकी हैं। महायज्ञ की ख्याति के चलते नेपाल से जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामकृष्ण आचार्य, हाथोज धाम से विधायक बालमुकुंद आचार्य, और अयोध्या धाम से महामंडलेश्वर गणेश दास सहित देश-विदेश के अनेक संत इस आयोजन में सहभागी बन रहे हैं। **आगामी कार्यक्रमः 26 व 27 फरवरीः** पूज्य राजेंद्र दास जी महाराज द्वारा श्रीराम चरित और भक्ति-तत्व पर विशेष कथा वाचन किया जाएगा।

विशिष्ट अतिथिः 26 फरवरी को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं जयपुर सांसद मंजू शर्मा की उपस्थिति प्रस्तावित है।

श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन विशाल भंडारे की व्यवस्था की जा रही है। भक्ति और राष्ट्र कल्याण की भावना से ओतप्रोत यह महायज्ञ समूचे क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना का संचार कर रहा है।

जयपुर में दिगंबर जैन युवाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं युक्त 'जैन छात्रावास'

जयपुर

महानगर जयपुर में उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आने वाले दिगंबर जैन छात्रों के लिए श्री दिगंबर जैन संस्कृत शिक्षा समिति, जयपुर द्वारा संचालित छात्रावास अब नए रंग-रूप और बेहतर सुविधाओं के साथ तैयार है।

किन्हें मिल सकता है प्रवेश?

यह छात्रावास विशेष रूप से उन दिगंबर जैन पुरुष विद्यार्थियों के लिए है जो निम्नलिखित क्षेत्रों में अध्ययनरत हैं:

उच्च शिक्षा: महाविद्यालय (College) एवं विश्वविद्यालय (University) स्तर के छात्र।

प्रोफेशनल कोर्सेज: CA, MBA, लॉ (Law), मेडिकल एवं इंजीनियरिंग।

प्रतियोगी परीक्षाएँ: प्रशासनिक सेवाओं (IAS/RAS) की तैयारी करने वाले छात्र।

प्रमुख विशेषताएँ और सुविधाएँ

आदर्श स्थान: जयपुर के मध्य त्रिपोलिया बाजार स्थित 'मनिहारों के रास्ते' में संचालित।

सुगम आवागमन: यहाँ से शहर के सभी प्रमुख शिक्षण संस्थानों के लिए बस, ई-रिक्शा और मेट्रो ट्रेन की सुविधा सुलभ है।

सुसज्जित कक्ष: प्रत्येक छात्र के लिए कक्ष में पलंग, गद्दे, टेबल, कुर्सी, पंखा और व्यक्तिगत अलमारी की व्यवस्था है।

शुद्ध खान-पान: शिक्षा समिति के अध्यक्ष एन.के. सेठी एवं मंत्री महेश चाँदवाड़ के अनुसार, यहाँ **ना लाभ-ना हानि** के आधार पर पूर्णतः शुद्ध जैन भोजनालय की व्यवस्था उपलब्ध है।

प्रवेश प्रक्रिया

वर्तमान में इस छात्रावास में 50 छात्रों के रहने की क्षमता है। सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

संपर्क सूत्र: इच्छुक छात्र या अभिभावक विस्तृत जानकारी और प्रवेश हेतु निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं:

9314024888, 97823 82805

बिड़ला सभागार में गूंजेंगे हास्य के ठहाके

जैन सोशल ग्रुप कैपिटल का 20वां कवि सम्मेलन 28 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजधानी के बिड़ला सभागार में हास्य और व्यंग्य की फुहारें बरसने वाली हैं। जैन सोशल ग्रुप कैपिटल के बैनर तले और इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के सहयोग से 28 फरवरी को शाम 7:00 बजे 20वें विशाल हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

पोस्टर का विमोचन और उत्साह

इस आयोजन के बहुरंगी पोस्टर का विमोचन आज निवर्तमान पार्षद पारस-पूजा जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष जैन पांड्या सहित पूरी कार्यकारिणी मौजूद रही। पोस्टर विमोचन के साथ ही आयोजन की तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं।

देश के ख्यातनाम कवि बिखेरेंगे हास्य का जादू

संस्थापक सुभाष चंद्र ने बताया कि इस मील के पत्थर (20वें) आयोजन में देश के प्रतिष्ठित रचनाकार शिरकत करेंगे:

सरदार मंजीत सिंह (फरूर्खाबाद)

अशोक भाटी (उज्जैन)

अशोक नागर (शाजापुर)

राकेश शर्मा (रतलाम)

शुभम त्यागी (मेरठ)

कानून पंडित (नाथद्वारा)

डॉ. प्रेरणा ठाकरे (सूत्रधार)

प्रबंध समिति की उपस्थिति

कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पूर्व अध्यक्ष सुधीर गंगवाल, नवीन जैन, वर्तमान अध्यक्ष राजकुमार काला, सचिव प्रमोद जैन, संयुक्त सचिव सुधीर गोधा, कोषाध्यक्ष राकेश पापड़ीवाल, नरेश रांवका, अनिल रांवका, विनय सोगानी एवं राजकुमार बड़जात्या सहित कई प्रबुद्ध सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

आठ दिवसीय अष्टान्हिका महापर्व का शुभारंभ

अष्टान्हिका महापर्व में नन्दीश्वर दीप मण्डल विधान की संगीतमय पूजा-आराधना सम्पन्न

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित आठ दिवसीय अष्टान्हिका महापर्व के अंतर्गत नन्दीश्वर दीप मण्डल विधान का शुभारंभ आर्यिका श्री श्रुत मति माताजी एवं आर्यिका श्री सुबोध मति माताजी संघ के सानिध्य में संत निवास नसिंया जैन मंदिर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में सभी इन्द्र-इन्द्राणियों ने विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ प्राप्त किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने जानकारी देते हुए बताया कि विधानाचार्य पण्डित सुरेश कुमार शास्त्री एवं अशोक भाणजा के मंत्रोच्चार के साथ विधान में विराजमान इन्द्रों द्वारा श्रीजी का अभिषेक किया गया तथा विश्व शांति एवं मंगल कामना के लिए शांतिधारा सम्पन्न हुई। विधान में सोधर्म इन्द्र के रूप में रमेशचंद सोनू जैन (गिन्दोड़ी), धनपति कुबेर इन्द्र के रूप में कन्हैयालाल जैन, ईशान इन्द्र के रूप में सुरेश सांवलिया तथा सानत इन्द्र के रूप में सुरेश कुमार एवं छुट्टन देवी (माधोराजपुरा) को चयनित किया गया। वहीं विधान के यज्ञनायक के रूप में महेंद्र कुमार एवं गुणमाला देवी जैन (चंवरिया) को पात्रता प्रदान की गई, जिन्हें आर्यिका माताजी द्वारा आशीर्वाद प्रदान किया गया। प्रवक्ता जौंला ने बताया कि विधान के दौरान पांच मंगल कलशों की स्थापना की गई तथा आठ पात्रों को मण्डल जी पर अष्ट प्रातिहार्य स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आर्यिका श्री श्रुत मति माताजी एवं सुबोध मति माताजी ने अपनी मधुर वाणी में संगीतमय पूजा-आराधना कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

महावीर पब्लिक स्कूल में शिक्षकों हेतु 'प्रोफेशनल डेवलपमेंट सेशन' संपन्नः प्रो. रमेश के. अरोड़ा ने दिए सफलता के मंत्र

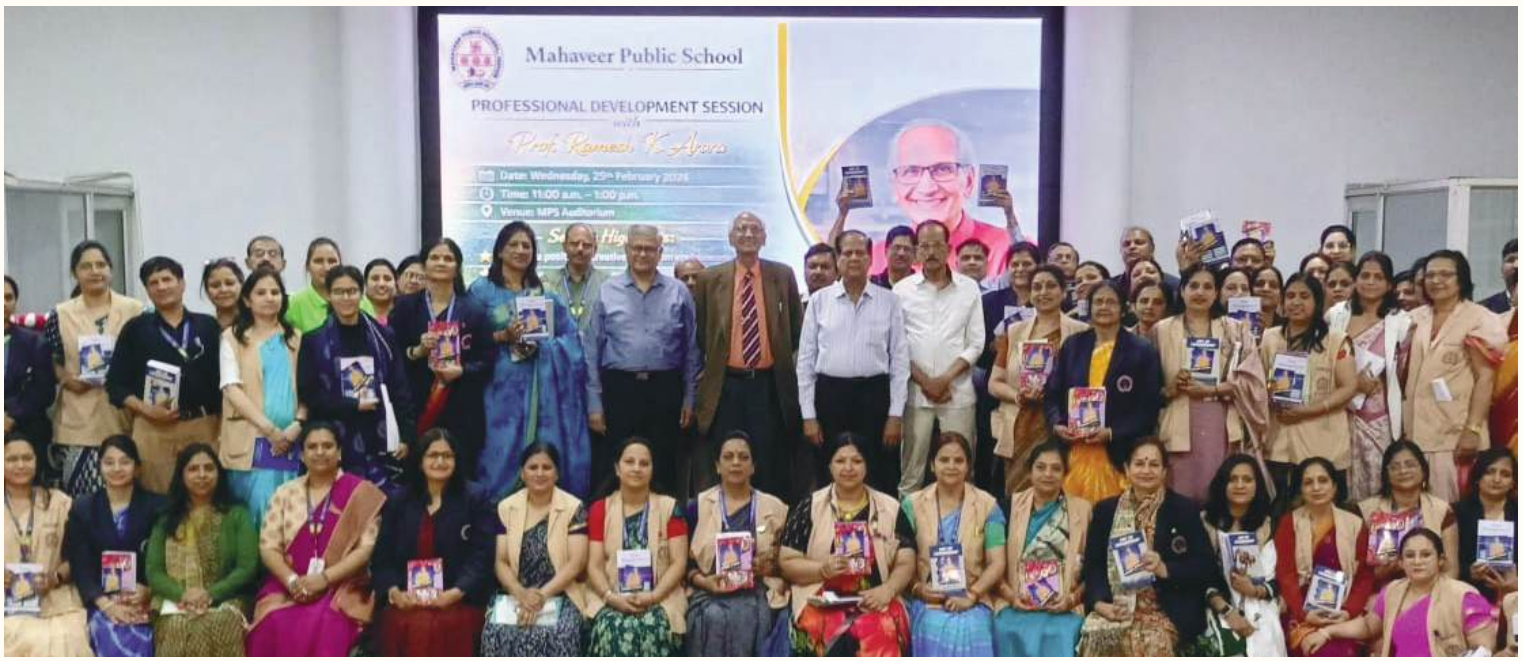

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित महावीर पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के कौशल विकास एवं मानसिक संवर्धन हेतु एक विशेष 'प्रोफेशनल डेवलपमेंट सेशन' का आयोजन किया गया। सत्र का मुख्य संचालन प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, 66 पुस्तकों के लेखक एवं 'डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुरस्कार' से सम्मानित प्रो. रमेश के. अरोड़ा द्वारा किया गया।

भव्य स्वागत एवं गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। विद्यालय के अध्यक्ष श्री उमराव मल सांघी, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला, कन्वीनर श्री सुदीप ठोलिया और प्राचार्य श्री संदीप शांडिल्य ने प्रो. अरोड़ा का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अध्यक्ष श्री उमराव मल सांघी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे सत्र समय की अनिवार्य आवश्यकता हैं।

महान विभूतियों के उदाहरण से प्रेरणा

प्रो. अरोड़ा ने अपने व्याख्यान में श्री सी.वी. रमन, रवींद्रनाथ टैगोर, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और जमशेदजी टाटा जैसी महान विभूतियों के जीवन प्रसंगों के माध्यम से शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण विधियों को

अपनाने और शिक्षा में मानवीय मूल्यों को समाहित करने के लिए प्रेरित किया।

सत्र के मुख्य विचारणीय बिंदुः

कार्यशाला के दौरान शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु निम्नलिखित विषयों पर गहन चर्चा की गईः

सकारात्मक वातावरणः कक्षा में रचनात्मक और उत्साहजनक माहौल का निर्माण।

विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षाः छात्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षण पद्धतियाँ।

समय प्रबंधनः कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए प्रभावी तकनीकें।

भावनात्मक बुद्धिमत्ताः शिक्षा और व्यवहार में 'इमोशनल इंटेलिजेंस' का महत्व।

सम्बन्धों में प्रगाढ़ताः अभिभावक और शिक्षक के बीच बेहतर तालमेल के उपाय।

साहित्य का वितरण एवं संकल्प

सत्र के अंत में उपस्थित सभी शिक्षकों को प्रो. अरोड़ा द्वारा रचित पुस्तकें–'टाइम मैनेजमेंट फॉर हैप्पीनेस एंड सक्सेस', 'आर्ट ऑफ लीडरशिप' एवं 'खुशी की कला' वितरित की गईं। शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए इन नवीन विचारों को अपने दैनिक शिक्षण में लागू करने का संकल्प लिया।

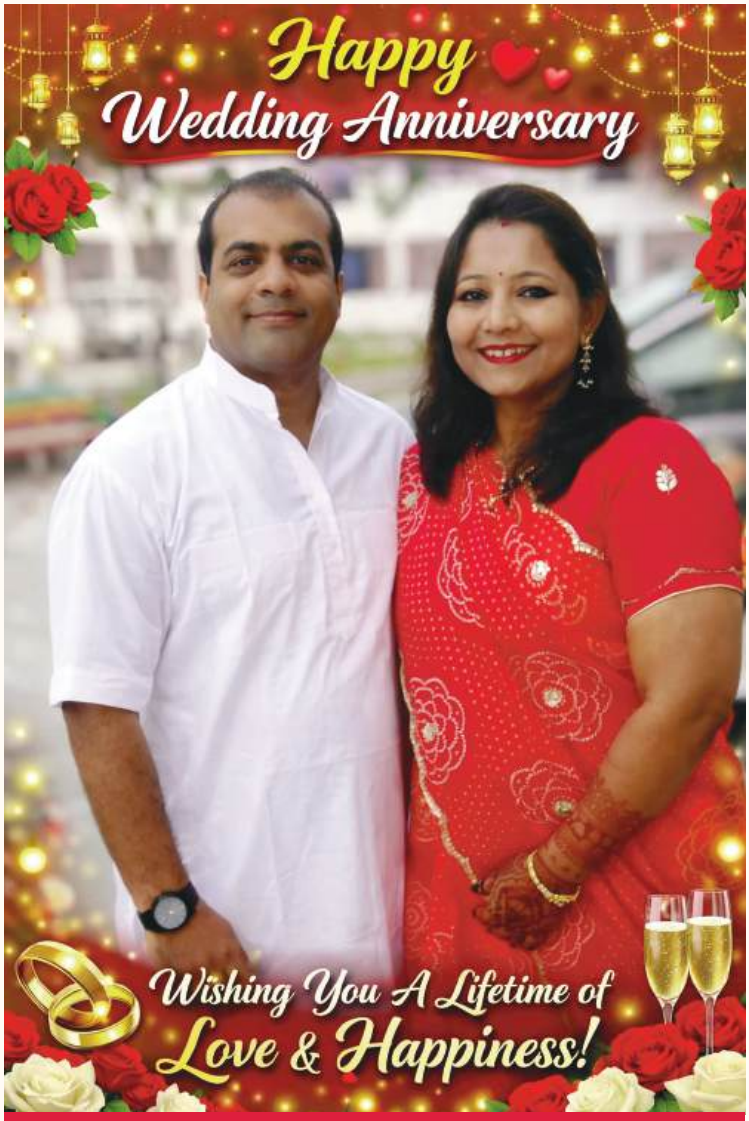

सांगिनी फॉर एवर ग्रुप की एवं दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल की धार्मिक मंत्री

श्रीमती पूनम जैन व श्रीमान हरीश जी जैन

को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें

26 फरवरी

शुभेच्छु

शकुंतला जैन बिंदायका, अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव
उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान आंचल

ह्रींकार तीर्थ पर भगवान विराजित

ध्वजदंड आरोहण एवं जिनालय उद्घाटन समारोह संपन्न

आर्यिका 105 विकाम्या श्री एवं आर्यिका विगुंजन श्री की परिकल्पना उस समय साकार होती नजर आई, जब आज प्रातः अभिजीत शुभ मुहूर्त में ह्रींकार तीर्थ पर भगवान जिनेंद्रदेव की भव्य प्रतिष्ठा संपन्न हुई। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में 24 तीर्थंकरों की स्फटिक मणि प्रतिमाएं, 458 अकृतिम जिनालयों सहित चन्द्रप्रभु भगवान की मूलनायक पाषाण प्रतिमा तथा भगवान पार्श्वनाथ, आदिनाथ एवं शांतिनाथ की पंचधातु प्रतिमाओं को विधिवत वेदी पर विराजमान कराया गया। इससे पूर्व वेदी प्रतिष्ठा एवं वास्तु विधान धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न किया गया। कार्यक्रम में आचार्य विराग सागर महाराज के संघ की आर्यिका विशिष्ट मति माताजी सहित संपूर्ण संघ की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही सोधर्म इंद्र सहित सम्पूर्ण इन्द्र परिवार भी आयोजन में सम्मिलित हुआ। नवीन जिनालय का उद्घाटन अशोक कोठिया, सरिता बदामीलाल, कमला देवी दिशांत एवं शुभि कोठिया परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी 24 लाभार्थियों ने क्रमशः जिनबिंबों को वेदी पर स्थापित कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इससे पूर्व पांडाल से रजत रथ में विराजित प्रतिमाओं की भव्य शोभायात्रा के साथ ह्रींकार तीर्थ आगमन हुआ। सभी संतों की आहारचर्या भी क्षेत्र पर ही संपन्न हुई, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। वात्सल्य सेवार्थ फाउंडेशन के नव निर्वाचित अध्यक्ष ने बताया कि ह्रींकार तीर्थ के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कर इस क्षेत्र को धार्मिक, आध्यात्मिक एवं धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

किशनगढ़ जैन समाज बना आचार्य पद प्रतिष्ठापना महोत्सव का साक्षी, गुरु भक्ति का उमड़ा सैलाब

मदनगंज-किशनगढ़ (रोहित जैन). शाबाश इंडिया। पदमपुरा तीर्थ पर आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज, गणनी आर्यिका सरस्वती मति एवं स्वस्ति भूषण माताजी के पावन सानिध्य में तृतीय पट्टाधीश आचार्यश्री धर्मसागर महाराज का 58वां आचार्य पदारोहण महोत्सव अत्यंत श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस ऐतिहासिक समारोह में किशनगढ़ से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ने गुरुवर का गुणानुवाद करते हुए कहा कि गुरु की शिक्षा और स्नेह ही शिष्य को मोक्ष मार्ग पर प्रशस्त करता है। उन्होंने आचार्य धर्मसागर जी के वीतरागी और निष्प्रह स्वभाव का स्मरण करते हुए उन्हें त्याग की प्रतिमूर्ति बताया। प्रतिष्ठाचार्य पंडित धर्मचंद शास्त्री के निर्देशन में महायज्ञ नायक डॉ. जगमोहन-वर्षा हुमड़ (कनाडा) एवं दीपक-पूनम पाटनी (कोलकाता) सहित इंद्र परिवारों ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के साथ आचार्यश्री की विशेष पूजन संपन्न की।

विशेष आकर्षण व विनयांजलि:

मंचन: दिल्ली के कलाकारों द्वारा आचार्यश्री धर्मसागर की गौरव गाथा का जीवंत मंचन किया गया। **ग्रंथ विमोचन:** अतिथियों द्वारा 'आचार्यश्री धर्मसागर अभिनंदन ग्रंथ' का विमोचन हुआ। **चातुर्मास निवेदन:** किशनगढ़ समाज के 551 से अधिक भक्तों ने आचार्यश्री से वर्ष 2026 के वषायोग हेतु करबद्ध प्रार्थना की।

आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने आचार्यश्री वर्धमान सागर जी की गुरुभक्ति की सराहना करते हुए इसे 'गुरु उपकार दिवस' की संज्ञा दी। कार्यक्रम का सफल संचालन वसंत वेद एवं धर्मचंद शास्त्री ने किया। अंत में देश-विदेश से आए अतिथियों ने गुरुचरणों में श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

105 वर्ष

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

105 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की स्वयंसेवी संस्था

विशाल होली स्नेह मिलन

भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग) के कलाकारों द्वारा

चंग ढप की विशेष प्रस्तुति

फूलों की रंगारंग होली

रविवार, दिनांक 1 मार्च, 2026 • सांय 7.00 बजे

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

आप सादर आमंत्रित है।

महेश काला
अध्यक्ष

भानु कुमार छाबड़ा
मानद् मंत्री

प्रदीप गोधा
उपाध्यक्ष

सुरेश भौंच
संयुक्त मंत्री

राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष

शरद बाकलीवाल
स्टोर इंचार्ज

कार्यकारिणी सदस्य

अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • अतुल बोहरा • योगेश टोडरका • महेश बाकलीवाल

सहवृत्त सदस्य

निर्मल पाटनी • मितेश ठोलिया • पंकज अजमेरा "दातारामगढ़" • सौरभ गोधा

विशेष आमंत्रित

ओमप्रकाश बड़जात्या • सौभागमल जैन • सिद्धार्थ बड़जात्या • कान्ति चन्द नृपत्या

नरेश कासलीवाल
संयोजक